(c) reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

सिंचित भूमि का राष्ट्रीय औसत

43. श्री यमुना प्रसाद शास्त्री : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के जिन जिलों में पांच प्रतिशत से कम कृषि योग्य भूमि सिंचित है उनमें सिंचित भूमि का क्षेत्र राष्ट्रीय औसत तक बढ़ाने के बारे में सरकार की कोई योजना है; और

(ख) क्या सरकार का विचार 1978-79 में पांच प्रतिशत से कम सिंचित भूमि वाले जिलों में उन सिंचाई योजनाओं को प्राथमिकता देने का है जिनका सर्वेक्षण हो चुका है?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भानु प्रताप सिंह): (क) और (ख). सिंचाई राज्य विषय है और सिंचाई परियोजनाओं का आयोजन और क्रियान्वयन राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। लेकिन राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया है कि वे अप्रैल, 1978 से शुरू होने वाली पंचवर्षीय मध्यावधिक योजना के दौरान राज्य में जनजाति क्षेत्रों और सूखा-प्रवण क्षेत्रों में नई स्कीमें शुरू करने को और राज्य में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने को प्राथमिकता दें। आशा है कि नई परियोजनाएं उन जिलों में हाथ में ली जाएंगी, जहां सिंचाई विकास की प्रतिशतता कम है।

Review of Sharing of Water of Jamuna to provide adequate Water to Agra

44. SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether in view of the very meagre spills of water over the Tajewala and Okhla headworks during the lean months from November to June, the river Jamuna becomes virtually dry and cannot provide sufficient water to the city of Agra even for drinking and domestic purposes, thereby causing acute scarcity, unsanitary conditions and outbreaks of gastro intestinal diseases year after year; and

(b) whether Government propose to raise the existing arrangement for the sharing of waters of the Jamuna river between Haryana, Delhi and Uttar Pradesh with a view to augment the flow of water in the river to ensure adequate supplies for the needs of the city of Agra?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) Practically all the available flows of the river Yamuna at Tajewala and Okhla during non-monsoon months are being used for irrigation at present, leaving very little water for downstream use.

(b) The Uttar Pradesh Government has proposed construction of a high storage dam at Kishau upstream of Tajewala for storing the flood water of the Yamuna for augmenting its flow during lean months for irrigation and other purposes. The sharing of Yamuna waters including benefits of Kishau storage is under consideration of the Centre in consultation with concerned State Governments.